

## सरस्वती मा की आरती

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।  
सद्गुण, वैभवशालिनि, त्रिभुवन विख्याता ॥जय.॥

चन्द्रवदनि, पद्मासिनि द्युति मंगलकारी।  
सोहे हंस-सवारी, अतुल तेजधारी॥ जय.॥

बायें कर में वीणा, दूजे कर माला।  
शीश मुकुट-मणि सोहे, गले मोतियन माला ॥जय.॥

देव शरण में आये, उनका उद्धार किया।  
पैठि मंथरा दासी, असुर-संहार किया॥जय.॥

वेद-ज्ञान-प्रदायिनी, बुद्धि-प्रकाश करो॥

मोहज्ञान तिमिर का सत्वर नाश करो॥जय॥

धूप-दीप-फल-मेवा-पूजा स्वीकार करो।

ज्ञान-चक्षु दे माता, सब गुण-ज्ञान भरो॥जय॥

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे।

हितकारी, सुखकारी ज्ञान-भक्ति पावे॥जय॥

